क्या सूखे अंजीर के पेड़ की कहानी भ्रमित करती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

प्रश्न:

मत्ती 21:19 कहता है कि यीशु ने जिस अंजीर के पेड़ को शाप दिया, वह तुरंत सूख गया:

“और उस समय वह अंजीर का पेड़ सूख गया।”

लेकिन मरकुस 11:20 कहता है कि अगली सुबह जब वे फिर से वहाँ से गुजर रहे थे, तब वह पेड़ जड़ से सूखा हुआ दिखा, न कि उसी दिन जब शाप दिया गया था:

“अगली सुबह जब वे वहाँ से गुजर रहे थे तो उन्होंने देखा कि
वह अंजीर का पेड़ जड़ से सूख गया था।”

तो कौन-सा विवरण सही है?

पाठ को समझना: शास्त्र में कोई विरोधाभास नहीं

क्या सूखे अंजीर के पेड़ की कहानी भ्रमित करती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

बाइबल में आंतरिक सामंजस्य होता है। जो विरोधाभास दिखाई देते हैं, वे अक्सर गलत समझ या संदर्भ के बिना पढ़ने के कारण होते हैं (2 तीमुथियुस 3:16)। मत्ती और मरकुस दोनों ही सत्य विवरण देते हैं, बस अलग-अलग दृष्टिकोण से।

मत्ती का विवरण (मत्ती 21:18-21)

यीशु सुबह भूखे थे और उन्होंने एक अंजीर के पेड़ को देखा जिस पर पत्ते थे पर फल नहीं थे। उन्होंने उसे शाप दिया कि इस पर कभी फल नहीं उगेगा। फिर वह पेड़ तुरंत सूख गया। चेलों को यह बात अचरज में डाल दिया कि यह कैसे इतना जल्दी हुआ।

यह चमत्कार यीशु की प्रकृति पर प्रभुता को दर्शाता है और उन लोगों के खिलाफ न्याय का प्रतीक है जो बाहरी रूप से धार्मिक दिखते हैं परन्तु आत्मिक रूप से फलहीन होते हैं (यूहन्ना 15:2)। तुरंत सूखना यह दर्शाता है कि परमेश्वर ऐसे लोगों पर शीघ्र न्याय करता है जो केवल दिखावा करते हैं।

मरकुस का विवरण (मरकुस 11:12-14, 19-23)

क्या सूखे अंजीर के पेड़ की कहानी भ्रमित करती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

मरकुस लिखता है कि यीशु ने उस पेड़ के पास गए, लेकिन अंजीर का मौसम नहीं था। जब यीशु ने उसे शाप दिया, तो अगले दिन चेलों ने देखा कि वह पेड़ पूरी तरह सूख चुका था।

मरकुस इस बात पर जोर देते हैं कि शाप का परिणाम अगले दिन दिखाई दिया, जो एक प्राकृतिक क्रम को दर्शाता है—फिर भी यह चमत्कार था क्योंकि पेड़ सामान्यतः एक रात में सूख नहीं जाते।

दोनों विवरणों को मिलाना: “तुरंत” का अर्थ

ग्रीक शब्द जिसका अनुवाद “तुरंत” (εὐθέως, euthéōs) होता है, उसका अर्थ हो सकता है “थोड़ी देर बाद” या “बिना विलंब,” पर जरूरी नहीं कि वह सेकंडों में हो।

देखें मरकुस 1:28

“और तुरंत उसका नाम पूरे गलील के आसपास फैल गया।”

यह स्पष्ट है कि इसमें कुछ समय लगा, लेकिन इसे “तुरंत” कहा गया

क्या सूखे अंजीर के पेड़ की कहानी भ्रमित करती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

ताकि तेज फैलाव को दर्शाया जा सके, न कि तत्काल।

इसी तरह, अंजीर का पेड़ यीशु के शब्द पर सूखना शुरू हुआ (आध्यात्मिक प्रभाव तुरंत), लेकिन दृश्य रूप से सूखना अगले दिन तक हुआ (प्राकृतिक समयावधि पर अद्भुत गति से)।

दिव्य न्याय:
अंजीर का पेड़ इज़राइल का प्रतीक है, जो दिखने में आध्यात्मिक रूप से फलता-फूलता था (पत्ते), पर वास्तव में सूखा था। यीशु का शाप एक प्रतीकात्मक न्याय है (होशेया 9:10; यिर्मयाह 8:13)।

विश्वास और अधिकार:
यीशु अपने चेलों को सिखाते हैं कि परमेश्वर में विश्वास रखने से वे असंभव चीजें भी आदेश दे सकते हैं (मरकुस 11:22-23), जो विश्वास की शक्ति और परमेश्वर की प्रभुता को दर्शाता है।

चमत्कार और प्राकृतिक व्यवस्था:
यह चमत्कार प्राकृतिक प्रक्रियाओं का सम्मान करता है, पर उन्हें अद्भुत तरीके से तेज करता है, जिससे परमेश्वर की सृष्टि पर नियंत्रण दिखता है बिना अचानक तोड़फोड़ के।

क्या सूखे अंजीर के पेड़ की कहानी भ्रमित करती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

मत्ती और मरकुस दोनों ने अलग-अलग दृष्टिकोण से सही विवरण दिया है। अंजीर का पेड़ यीशु के शब्द पर तुरंत सूखना शुरू हुआ (आध्यात्मिक और अद्भुत रूप से), जबकि दिखने वाला असर अगले दिन दिखाई दिया। इसमें कोई विरोधाभास नहीं है।

क्या आप अपने जीवन में यीशु की सत्ता स्वीकार करते हैं? अंजीर का पेड़ हमें आध्यात्मिक फल देने की चेतावनी देता है (गलातियों 5:22-23)। यीशु जल्दी आ रहे हैं (प्रकाशितवाक्य 22:20)। अब विश्वास करने और स्थायी फल लाने का समय है।

शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp